

खबर संक्षेप



करोड़ों की व्यवस्था में जर्जर दीवारों की अनदेखी!



बुढ़ार। साउथ ईस्टर्न कोलपौल्ड्स लिमिटेड के सोहागपुर एरिया अंतर्गत बुढ़ार गुरु कार्यालय परिसर की एक जर्जर दीवार बारिश के दौरान ढह गई। गंभीरत रही कि दीवार के आसपास उस समय कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। दीवार के ठीक समीप दुकानें और आवाजाही का क्षेत्र है, जिससे खतरा और भी गंभीर हो जाता है। मौके की तत्खीर एसडीसीएल की व्यवस्थाओं के बीच रखरखाव को लेकर एक बड़ा सवाल खड़ा करती हैं। एक ओर परिसर के सामने की दीवारों पर आकर्षक रंग-रोगन, कलाकृतियां, सजावटी संरचनाएं, साइल बोर्ड और इलेक्ट्रॉनिक डिजिटल बोर्ड लगाए गए हैं। दीवारों और आसपास के क्षेत्र को सुंदर बनाने में खर्च किया गया है, वहीं दूसरी ओर वर्षों पुरानी दीवारों की मरम्मत और सुरक्षा को लेकर लापरवाही दिखाई दे रही है। तत्खीरों में बारिश के बाद सड़क किनारे गिरी दीवार की ईंटें और मलबा साफ नजर आ रहा है। दीवार का कमजोर हिस्सा लंबे समय से रखरखाव की मांग कर रहा होगा, लेकिन समय रहते तकनीकी जांच और मरम्मत नहीं होने का परिणाम अब सामने आया है।

बरसते पानी के बीच भी कम नहीं हुआ भक्तों का उत्साह ज्वालामुखी धाम में श्रद्धा भाव से हुआ गणेश विसर्जन



मानपुर। नगर में आस्था एवं श्रद्धा के साथ विघ्नहर्ता सिद्धिविनायक भगवान गणेश की प्रतिमाओं का विसर्जन ज्वालामुखी धाम स्थित चरणगंगा नदी में किया गया। बरसते पानी के बावजूद नगरवासियों का उत्साह जरा भी कम नहीं हुआ और बड़ी संख्या में शामिल होकर परंपरागत रीति-रिवाज के साथ गाजे-बाजे, ढोल-नगाड़ों की गूंज और गणपति बापा मोरया के जयकारों के बीच गणेशजी को भावभीनी विदाई दी। रिमझिम बारिश में भीगते हुए भी श्रद्धालु झूमते-गाते हुए प्रतिमाओं को नदी तक लेकर पहुंचे। बारिश जहां आम दिनों में लोगों को घरों में रोक देती है, वहीं भक्ति के इस उत्साह के आगे बारिश भी फीकी पड़ गई। विसर्जन स्थल पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा और पूरे मार्ग में उत्सव जैसा माहौल बना रहा।

विसर्जन कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। बारिश के बीच फिसलन और नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने विशेष सतर्कता बरती। तहसील मानपुर के कार्यालिका मजिस्ट्रेट समर्थ सिंह सहित पुलिस बल के जवान मौके पर तैनात रहे तथा आमजन की सुरक्षा



शंख प्रक्षालन महाशिविर का कल होगा आयोजन
शहडोल। स्वस्थ तन और शांत मन की कामना रखने वाले लोगों के लिए शहडोल में विशेष शंख प्रक्षालन महाशिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिवजी योग एवं पैलनेस, शहडोल द्वारा आयोजित यह शिविर आंतरिक शुद्धि की दिव्य यात्रा की थीम पर केंद्रित होगा। शहर में पहली बार आयोजित किए जा रहे इस महाशिविर को लेकर योग साधकों में उत्साह देखा जा रहा है। महाशिविर का संचालन प्रसिद्ध योगाचार्य शिवकान्त शुक्ला द्वारा किया जाएगा। शंख प्रक्षालन योग की प्राचीन षट्कर्म क्रियाओं में शामिल एक क्रिया है, जिसमें विशेष योगासनों और लवण जल के माध्यम से पाचन तंत्र की सफाई की प्रक्रिया कराई जाती है। आयोजकों के अनुसार, इस अभ्यास से पाचन तंत्र से जुड़ी समस्याओं जैसे कब्ज, गैस, एसिडिटी और अपच में राहत मिलने में मदद मिल सकती है। योगाचार्य शिवकान्त शुक्ला ने बताया कि वर्तमान समय में अत्यंतलित खानपान और जीवनशैली का प्रभाव शरीर और मन पर पड़ता है। योग एवं प्राकृतिक शुद्धि की क्रियाएं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने में सहायक हो सकती हैं। महाशिविर में प्रतिभागियों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाएगा। अनुभवी चिकित्सकों की देखरेख में स्वास्थ्य परीक्षण के बाद ही प्रक्रिया कराई जाएगी।

400 करोड़ की सरकारी जमीन में 11 पर गिरी गाज, अब संरक्षण देने वालों की बारी

कथित भू-माफिया और गड़बड़झाला करने वालों पर न्यायालय की सख्ती

हरिभूमि की खबर का असर, तीन तत्कालीन अधिकारियों पर भी जल्द पहुंचेगा आवेदन सरकारी चरनोई भूमि के कथित 400 करोड़ रुपए के खेल में आखिरकार न्यायालयीन कार्रवाई शुरू हो गई है। हरिभूमि की खबर के बाद मामले ने नया मोड़ लिया और ब्यौहारी न्यायालय में 11 लोगों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध हुआ है। भारतीय न्याय संहिता की छह धाराओं में मामला दर्ज होने के बाद अब उन लोगों की भूमिका भी जांच के घेरे में है, जिन्होंने कथित गड़बड़झाले को संरक्षण दिया।

शहडोल। जिले के ब्यौहारी में सरकारी जमीन के कथित खेल ने अब बड़ा मोड़ ले लिया है। जिस मामले में शासकीय चरनोई भूमि को कथित तौर पर रिकॉर्ड में हेरफेर कर निजी नामों तक पहुंचाने के आरोप लगे थे, उसमें अब न्यायालय ने 11 लोगों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध किया है। मामला सिविल कोर्ट ब्यौहारी, जिला शहडोल में 25 सितंबर 2026 को दर्ज हुआ है। वाद क्रमांक 1355/2026 तथा पंजीकरण क्रमांक 581/2026 है। अगली सुनवाई 12 अक्टूबर 2026 को निर्धारित है। न्यायालयीन रिकॉर्ड में राजेंद्र कुमार द्विवेदी, छाया शुक्ला पत्नी राजेंद्र द्विवेदी, मांडवी द्विवेदी पत्नी रविनंदन द्विवेदी, दिवाकर सिंह तिवारी, प्रदीप तिवारी, लक्ष्मी रेशमा तिवारी पत्नी प्रदीप तिवारी, संदीप तिवारी, पूर्णिमा तिवारी, राजनली द्विवेदी पत्नी राजेश द्विवेदी, अमित मिश्रा और भुवनेश्वर सिंह के नाम दर्ज हैं। इन सभी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 316, 318, 336, 338, 340 और 344 के तहत मामला दर्ज किया गया है। न्यायालयीन रिकॉर्ड में प्रकरण को नियमित आपराधिक



परीक्षण के रूप में दर्ज किया गया है।

सरकारी जमीन में आखिर हुआ क्या?

पूरे मामले की शुरुआत खड़हली और नौदिया क्षेत्र की उस जमीन से जुड़ी है, जिसे राजस्व रिकॉर्ड में शासकीय और गैरहकदार चरनोई भूमि के रूप में दर्ज बताया गया था। आरोप है कि वर्ष 2023-24 के दौरान रिकॉर्ड में कथित तौर पर ऐसे बदलाव किए गए, जिससे सरकारी भूमि को निजी नामों में दर्ज कराने और उसके बाद उसके हस्तांतरण का रास्ता तैयार हुआ। मामले में आरोप यह भी है कि सरकारी जमीन की प्रकृति से जुड़े रिकॉर्ड में

पोकलेन का फर्जी खेल: 5 लाख डकार गया जाकिर फर्जी दस्तखत, गायब मशीन और 5 लाख की टगी

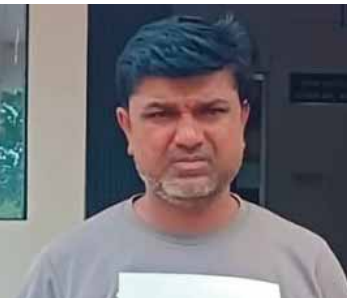
फरियादी 4 महीने से खा रहा धक्के, आईजी दफ्तर पहुंचकर खुली खाकी की पोल

शहडोल। कानून की रखवाली करने वाली पुलिस जब आरोपी की ढाल बन जाए, तो न्याय की उम्मीद करना बेमानी सा लगने लगता है। ऐसा ही एक कारनामा उमरिया जिले की बिरसिंहपुर पाली पुलिस थाने की मेहरबानी से उजागर हुआ है। जहां नौरोजाबाद निवासी शातिर जाकिर खान पिता स्व. जाहीर खान नाम के एक महाशय ने हवा में पोकलेन मशीन चलाकर एक निर्दोष नागरिक से 5 लाख रुपये ँठ लिए और जब पीड़ित ईसाफ मांगने थाने पहुंचा, तो खाकी ने न्याय दिलाने के बजाय समझौते का फरमान सुना दिया। अब इस पूरे कारनामे की गूंज पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय तक पहुंच गई है, जहां पीड़ित ने न केवल जाकिर खान के जालसाजी का कच्चा-चि। खोला है, बल्कि पाली थाने के खाकीधारियों की कार्यप्रणाली पर भी सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं।

हवा में मशीन, कागजों पर फर्जीवाड़ा

मामले का विवरण किसी फिल्मी

पटकथा से कम नहीं है। वार्ड क्रमांक 14, बिरसिंहपुर पाली निवासी फरियादी नीरज सिंह पिता रामराज सिंह को नौरोजाबाद वार्ड 10, नैका दफाई निवासी जाकिर खान ने एक बड़ा सपना दिखाया। जाकिर ने दावा किया कि उसके पास शिवा नायक नामक व्यक्ति की एक चैन मार्टिंग पोकलेन मशीन (हार्डड्रेलिंग एक्स्केवेटर) अनुबंध पर है। बहला-फुसलाकर और भारी मुनाफे का लालच देकर जाकिर ने नीरज सिंह से हिस्सेदारी के नाम पर 5 लाख रुपये ठग लिए, लेकिन खेल यहीं खत्म नहीं हुआ, पैसे जेब में जाते ही न तो कोई मुनाफा मिला और न ही आज तक वह रहस्यमयी पोकलेन मशीन पीड़ित को दिखाई गई। साल भर तक टालमटोल करने के बाद जब राज खुला, तो पीड़ित के होश उड़ गए। पता चला कि जाकिर खान ने शिवा नायक के नाम का एक फर्जी और कूटरचित शपथ पत्र/अनुबंध पत्र तैयार कर रखा था। असली मालिक शिवा नायक ने साफ शब्दों में कह दिया कि उसने ऐसे किसी दस्तावेज या अनुबंध पत्र पर दस्तखत ही नहीं किए हैं, यानी सादे स्ट्यामप पर जाकिर खान ने फर्जी दस्तखत का हुनर दिखाकर 5 लाख का डाका डाल दिया।



कानून के रखवाले या आरोपी के हमदर्द

जब ठगी का शिकार हुआ फरियादी न्याय की गुहार लेकर पाली पुलिस थाने पहुंचा आरोप है कि पिछले 4 महीनों से पीड़ित नीरज सिंह थाने के चक्कर काट-काटकर थक चुका है, लेकिन पुलिस के कान पर जू तक नहीं रंग रही। हद तो तब हो गई जब थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक के.के. पटेल पर आरोपी को खुला संरक्षण देने और उल्टे फरियादी पर ही मानसिक दबाव बनाने के संगीन आरोप लगे हैं। शिकायत पत्र के अनुसार, प्रधान आरक्षक महोदय निष्पक्ष कार्रवाई करने के बजाय फरियादी को यह सलाह और धमकी दे रहे हैं कि वह जाकिर खान से समझौता कर ले और अपनी शिकायत वापस खींच ले, वाह रे पुलिस प्रशासन एफआईआर दर्ज कर फर्जीवाई की जांच करने

के बजाय, खाकी खुद आरोपी का वकील बनकर फरियादी को डराने में जुटी है।

आईजी दफ्तर पहुंचा मामला

थाने से दुक्कारे जाने और लगातार मिल रही मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर फरियादी ने अब पुलिस महानिरीक्षक के समक्ष अपनी अर्जी लगाई है। आईजी को सौंपे गए शिकायती पत्र में पीड़ित ने मांग की है कि जाकिर खान के खिलाफ धोखाधड़ी, कूटरचना (फोर्जरी), आपराधिक षडयंत्र और अमानत में खयानत की धाराओं के तहत तत्काल एफआईआर दर्ज कर जेल भेजा जाए। आरोपी द्वारा तैयार किए गए फर्जी शपथ पत्र और अनुबंध पत्रों में दर्ज हस्ताक्षरों की विधिवत फॉरेंसिक जांच कराई जाए। गायब चैन मार्टिंग पोक्लेन मशीन की खोजबीन की जाए और पीड़ित के हड़पे गए 5,00,000 वापस दिलाए जाएं। आरोपी जाकिर खान को संरक्षण देने वाले और फरियादी पर समझौता करने का अनुचित दबाव बनाने वाले प्रधान आरक्षक के.के. पटेल की भूमिका की निष्पक्ष जांच कर विभागीय कार्रवाई की जाए। आरोपी द्वारा साक्ष्य मिटाने या दस्तावेजों में हेरफेर करने की आशंका को देखते हुए त्वरित कानूनी कदम उठाए जाएं।

452 स्वरों में गूंजा ‘वन्देमातरम’, राष्ट्रभक्ति से सराबोर हुआ मानपुर 150 वर्ष की गौरवगाथा पर विद्या भारती का ‘नमामि भारत’



अधिकारी, शिक्षक, अभिभावक और विद्यार्थियों ने एक साथ किया सामूहिक गायन

मानपुर।

वन्देमातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर पर शुक्रवार को मानपुर में राष्ट्रभक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के तत्वावधान में आयोजित ‘नमामि भारत’ सामूहिक वन्देमातरम् गायन कार्यक्रम में विद्यालय परिसर एक साथ उठे 452 स्वरों से गूंज उठा। सुबह 11 बजे विद्या भारती सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मानपुर में आयोजित कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों से लेकर नगर के गणमान्य नागरिक,

अभिभावक, शिक्षक और विद्यार्थियों ने एक साथ राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन किया।

जब 452 लोग एक साथ बोले—वन्देमातरम्!

कार्यक्रम के दौरान जैसे ही सामूहिक वन्देमातरम् का स्वर गूंजा, पूरा विद्यालय परिसर राष्ट्रभावना से भर उठा। भैया-बहिनों के साथ आचार्य परिवार, अभिभावकों एवं उपस्थित नागरिकों ने सहभागिता कर मातृभूमि के प्रति सम्मान और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।

एसडीएम हरनीत कौर का प्रेरक संदेश

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एसडीएम मानपुर सुश्री हरनीत



कौर ने कहा कि वन्देमातरम् भारतीय संस्कृति, एकता एवं अखंडता की भावना को व्यक्त करता है। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ संस्कार और अनुशासन को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। अपने अनुभव को साझा करते हुए एसडीएम ने बताया कि राज्य सिविल सेवा परीक्षा में 40 अभ्यर्थियों में से 22 अभ्यर्थी सरस्वती शिशु मंदिर से शिक्षा प्राप्त करने वाले थे। उन्होंने इसे शिक्षा, संस्कार और अनुशासन के महत्व से जोड़ते हुए विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत और अच्छे संस्कारों के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

प्रशासनिक अमला भी बना राष्ट्रगान का सहभागी

कार्यक्रम में एसडीएम सुश्री हरनीत कौर कलसी,

तहसीलदार पंकज नयन तिवारी, जनपद पंचायत मानपुर के सीईओ अंकित सोरोठिया एवं थाना प्रभारी बृजकिशोर गर्ग की उपस्थिति रही। अधिकारियों की मौजूदगी और सामूहिक सहभागिता ने कार्यक्रम को विशेष गौरा प्रदान की। विद्यालय के व्यवस्थापक एवं कार्यक्रम पर्यवेक्षक हरीश कुमार विश्वकर्मा, जिला सचिव लक्ष्मीनारायण शुक्ल, कोषाध्यक्ष श्रीप्रकाश त्रिपाठी, अध्यक्ष दिनेश प्रसाद परोहा, सदस्य मुकेश चतुर्वेदी, पत्रकार आशुतोष त्रिपाठी, त्रिवेणी शरण द्विवेदी एवं कुलदीप गुप्ता, प्राचार्य श्रवण कुमार तिवारी, संयोजिका अर्चना गुप्ता, सहसंयोजिका योगिता तिवारी तथा कार्यक्रम संचालक अनुराग कुमार शुक्ल सहित समिति सदस्य आचार्य देवेंद्र कुमार मिश्रा एवं विद्यालय परिसर उपस्थित रहा।

दुर्गा पूजा से पहले कोयला कर्मियों को मिल सकती है बड़ी खुशखबरी



राजनगर। दुर्गा पूजा से पहले कोल इंडिया के गैर-कार्यकारी कर्मचारियों को इस वर्ष बोनस के रूप में बड़ी राशि मिलने की उम्मीद है। कोयला क्षेत्र से जुड़े श्रमिक संगठनों और कर्मचारियों के बीच इस बार 1.08 लाख से 1.10 लाख रुपये तक प्रदर्शन आधारित पुरस्कार मिलने की चर्चा तेज है। हालांकि, बोनस की राशि पर अभी कोई आधिकारिक निर्णय नहीं हुआ है। अंतिम फैसला प्रबंधन और केंद्रीय श्रमिक संगठनों के बीच होने वाली बैठक में लिया जाएगा। सितंबर का महाना समाप्त होने को है और त्योहारों का मौसम करीब है। ऐसे में कोल इंडिया के कर्मचारियों की नजर अब बोनस को लेकर होने वाली महत्वपूर्ण बैठक पर टिकी है। चर्चा है कि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार प्रदर्शन आधारित पुरस्कार में करीब 5 से 7 हजार रुपये तक की बढ़ोतरी हो सकती है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रदर्शन आधारित पुरस्कार और अनुग्रह राशि तय करने की प्रक्रिया के तहत अक्टूबर के पहले सप्ताह में महत्वपूर्ण बैठक होने की संभावना है। संभावित रूप से 3 या 4 अक्टूबर को शीर्ष संयुक्त परामर्श समिति अथवा

मानकीकरण समिति की बैठक हो सकती है। इस बैठक में कोल इंडिया प्रबंधन के साथ प्रमुख केंद्रीय श्रमिक संगठनों भारतीय मजदूर संघ, हिंद मजदूर सभा, अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस और सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस के प्रतिनिधि शामिल हो सकते हैं। इसी बैठक में कर्मचारियों के प्रदर्शन आधारित पुरस्कार की राशि पर चर्चा के बाद अंतिम निर्णय लिए जाने की उम्मीद है। हालांकि, बैठक की आधिकारिक पुष्टि और बोनस की अंतिम राशि सामने आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट होगी। प्रदर्शन आधारित पुरस्कार का सीधा लाभ कोल इंडिया और उचित भारतीय कंपनियों के करीब 2.10 लाख गैर-कार्यकारी कर्मचारियों को मिलने की उम्मीद है। इनमें भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड, ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड और केंद्रीय खनन योजना एवं

डिजाइन संस्थान सहित अन्य इकाइयों के कर्मचारी शामिल हैं। वहीं, सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड के करीब 38 हजार कर्मचारियों के लिए भी इसी तरह के भुगतान की परंपरा रही है। इस लिहाज से बोनस का फैसला कोयला क्षेत्र से जुड़े करीब ढाई लाख कर्मचारियों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में कोल इंडिया ने गैर-कार्यकारी कर्मचारियों को 1.03 लाख रुपये का प्रदर्शन आधारित पुरस्कार दिया था। इस बार कंपनी के उत्पादन और वित्तीय प्रदर्शन को देखते हुए कर्मचारियों और श्रमिक संगठनों की नजर बोनस में संभावित बढ़ोतरी पर है।

कोयला क्षेत्रों में कर्मचारियों के बीच चल रही चर्चाओं में 1.08 लाख से 1.10 लाख रुपये तक की राशि का आंकड़ा सामने आ रहा है। हालांकि, यह आंकड़ा फिलहाल चर्चा और अनुमान तक सीमित है। वास्तविक राशि प्रबंधन और श्रमिक संगठनों के बीच होने वाली वार्ता के बाद ही तय होगी। कोल इंडिया के कर्मचारियों को मिलने वाले प्रदर्शन आधारित पुरस्कार में पिछले कुछ वर्षों में लगातार बढ़ोतरी हुई है। 2022-76,500 रुपये, 2023-85,000 रुपये, 2024-93,750 रुपये, 2025-1,03,000 रुपये, पिछले वर्ष 1.03 लाख रुपये के भुगतान के बाद इस बार कर्मचारियों को इससे अधिक राशि मिलने की उम्मीद है। अब सही की नजर अक्टूबर के पहले सप्ताह में होने वाली संभावित बैठक पर है। बैठक में होने वाली बातचीत और आधिकारिक निर्णय के बाद ही तय होगा कि इस बार कोयला कर्मियों के खातों में कितनी बोनस राशि पहुंचेगी।

उफान पर जोहिला नदी, संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र के डैम के 4 गेट दो-दो मीटर खोले गए

उमरिया में तीन दिनों से आफत सह राहत की बारिश



उमरिया। जिले में पिछले 72 घंटों से थमने का नाम न ले रही लगातार बारिश से जहाँ आम जीवन अस्त-व्यस्त हुआ है, वहीं जिले के प्रमुख जलस्रोतों की सेहत में तेजी से सुधार देखा जा रहा है। मूसलाधार बारिश के चलते मंगठार स्थित संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र के मुख्य जलस्रोत जोहिला डैम का जलस्तर अपनी सुरक्षित सीमा को पार करने लगा था। स्थिति को भांपते हुए परियोजना प्रबंधन ने एहतियातन कदम उठाए हैं और जलाशय का जलस्तर नियंत्रित करने के लिए बांध के चार बड़े गेटों को दो-दो मीटर तक ऊपर उठा दिया है, जिससे पानी की विशाल धार जोहिला नदी की ओर तेजी से बह निकली है।

ऊपरी क्षेत्रों से तेज आवक

कैचमेंट एरिया (जलग्रहण क्षेत्र) में हो रही अनवरत वर्षा के कारण जोहिला जलाशय में पानी की आवक बेहद तेज हो गई है। परियोजना प्रबंधन जलस्तर पर प्रति घंटे के हिसाब से बारीक नजर



बनाए हुए है। मामले की जानकारी देते हुए संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र के वरिष्ठ अधिकारी मनोज त्रिपाठी ने बताया क्षेत्र में हो रही बारिश के कारण बांध में पानी का दबाव लगातार बढ़ रहा था। सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए और जलस्तर को संतुलित रखने के उद्देश्य से फिलहाल चार गेटों को दो-दो मीटर तक खोला गया है। हमारी तकनीकी टीम 24 घंटे गेटों की परिचालन स्थिति और जल स्तर का तकनीकी आकलन कर रही है। यदि ऊपरी इलाकों से पानी का बहाव और बढ़ता है, तो पानी की निकासी की मात्रा में और इजाफा किया जा सकता है।

जोहिला नदी तट पर चौकसी बढ़ी

डैम से एक साथ भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के बाद जोहिला नदी में अचानक जलस्तर काफी ऊपर उठ गया है। किसी भी अनहोनी या आपदा से बचाव के लिए जिला प्रशासन और परियोजना प्रबंधन ने संयुक्त रूप से निगरानी व्यवस्था मजबूत

70वीं राज्य स्तरीय शालेय हैंडबॉल प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ खेल से होता है मानसिक एवं शारीरिक विकास: जिला पंचायत अध्यक्ष



उमरिया। कृष्णा गार्डन में 70वीं राज्य स्तरीय शालेय हैंडबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ उत्साह एवं खेल भावना के साथ किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष अनुजा पटेल ने कहा कि उमरिया जिला भले ही छोटा है, लेकिन यहां राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के कई बड़े आयोजनों का साफल्यतापूर्वक आयोजन हो चुका है। उन्होंने कहा कि जीवन में शिक्षा के साथ खेल का भी महत्वपूर्ण स्थान है।

खेल से शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक मजबूती, आत्मविश्वास, अनुशासन



और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। उन्होंने खिलाड़ियों से उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन कर अपने माता-पिता, कोच एवं जिले का नाम रोशन करने की अपील की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री आशुतोष अग्रवाल ने कहा कि राष्ट्र के समुचित विकास में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में खेले इंडिया सहित विभिन्न योजनाओं और आयोजनों के माध्यम से देश में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल के साथ-साथ शिक्षा और विज्ञान के क्षेत्र में भी निरंतर आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि खेल में हार



और जीत से अधिक महत्वपूर्ण खेल भावना, अनुशासन, टीम भावना और निरंतर बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास है। प्रतियोगिता में एक टीम विजेता और दूसरी उपविजेता बनती है, लेकिन मैदान पर उतरने वाला प्रत्येक खिलाड़ी अपने अनुभव से कुछ नया सीखता है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को पूरे उत्साह और सकारात्मक सोच के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने की शुभकामनाएं दीं। जिला शिक्षा अधिकारी भूपेंद्र बडकर ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि राज्य स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में प्रदेश के 10 संभागों से 200 से अधिक खिलाड़ी शामिल



हुए हैं। खिलाड़ियों के साथ कोच, टीम प्रबंधक एवं अन्य खेल अधिकारी भी उपस्थित हैं। प्रतियोगिता को लेकर खिलाड़ियों में उत्साह का माहौल है।

इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि द्वारा खेल ध्वज फहराकर कार्यक्रम शुभारंभ की घोषणा की गई। कार्यक्रम में सुमित गौतम, सहायक आयुक्त जन जातीय कार्य विभाग पूजा द्विवेदी, खाद्य सुरक्षा अधिकारीमंजू वर्मा सहित कोच, टीम प्रबंधक एवं प्रतियोगिता से जुड़े अधिकारी उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं।

घंटी बजाकर थाने पहुंचे सैकड़ों युवा, बोले-अपराध रोकने के लिए पुलिस को जगना होगा

भालूमाड़ा में युवक कांग्रेस का प्रदर्शन

बदरा/जमुना। भालूमाड़ा क्षेत्र में बढ़ती आपराधिक एवं कथित अवैध गतिविधियों के विरोध में युवक कांग्रेस ने शनिवार को जोरदार प्रदर्शन किया जिला युवक कांग्रेस अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस एवं कांग्रेस कार्यकर्ता थाना भालूमाड़ा पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने हाथों में घंटियां बजाकर पुलिस प्रशासन का ध्यान क्षेत्र की समस्याओं की ओर आकर्षित किया। इस दौरान “घंटी बजाओ, थाना प्रभारी हटाओ”, “पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद” और “युवक कांग्रेस जिंदाबाद” के नारे लगाए गए। प्रदर्शन के बाद युवक कांग्रेस ने विभिन्न मांगों को लेकर पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपा ज्ञापन एसडीओपी कोतमा आरती शाक्य ने थाना भालूमाड़ा पहुंचकर प्राप्त किया। युवक कांग्रेस ने ज्ञापन में बदरा क्षेत्र में कथित रेत चोरी और अवैध रेत परिवहन का मुद्दा प्रमुखता से उठाया संगठन का कहना है कि क्षेत्र में रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन को लेकर शिकायतें सामने आ रही हैं। ज्ञापन के माध्यम से संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी बढ़ाने तथा अवैध परिवहन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की गई। ज्ञापन में पशु तस्करी, मेडिकल नशे एवं अन्य मादक पदार्थों की कथित बिक्री और वितरण पर प्रभावी रोक लगाने की मांग की गई। युवक कांग्रेस ने कहा कि नशे से युवाओं और समाज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इसके अलावा क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री, जुआ-सट्टा, चोरी और अन्य आपराधिक गतिविधियों पर भी पुलिस की प्रभावी निगरानी की मांग की गई। युवक कांग्रेस द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस गश्त बढ़ाने, संदिग्ध गतिविधियों की जांच करने तथा नागरिकों से मिलने वाली शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की मांग की गई। साथ ही अवैध गतिविधियों की सूचना देने वाले नागरिकों की पहचान गोपनीय रखने की मांग भी उठाई गई, ताकि लोग बिना भय के पुलिस को सूचना दे सकें। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन को नियमित रूप से निगरानी और कार्रवाई की व्यवस्था मजबूत करनी चाहिए। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने हाथों में घंटियां बजाई युवक कांग्रेस ने इसे प्रतीकात्मक रूप से पुलिस प्रशासन को क्षेत्र की समस्याओं की ओर ध्यान दिलाने का प्रयास बताया कार्यकर्ताओं ने कहा कि जनता सुरक्षित

कोतमा क्षेत्र में शराब की अवैध पैकारी ग्रामीण अंचलों तक पहुंच रही शराब

आबकारी विभाग और पुलिस की निगरानी पर उठे सवाल, ग्रामीणों ने की जांच व कार्रवाई की मांग

कोतमा। नगर एवं आसपास के ग्रामीण अंचलों में शराब की अवैध पैकारी को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्धारित शराब दुकानों के अलावा किराना दुकानों, पान दुकानों तथा अन्य स्थानों से भी शराब आसानी से उपलब्ध कराई जा रही है। शिकायतकर्ताओं के अनुसार, शराब की कथित अवैध पैकारी ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने के लिए अलग-अलग माध्यमों का इस्तेमाल किया जा रहा है। कुछ लोगों का आरोप है कि शराब ठेकेदार से जुड़े लोगों के माध्यम से यह गतिविधियां संचालित हो रही हैं। शराब माफिया अपने लूटतेो के माध्यम से कई ग्रामीण अंचल में शराब की पेटियां पहुंचवाई जा रही है ऐसा नहीं है कि इन सब की



जानकारी स्थानीय पुलिस या आबकारी विभाग को ना हो बावजूद इसके प्रशासन द्वारा आज तक इस संबंध में किसी भी प्रकार का कोई पहल नहीं किया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि कि यहां किराना दुकान से लेकर पान की दुकान में भी शराब उपलब्ध कराई जाती है कई स्थानों पर सामान्य दुकानों के आसपास शराब

चिंता बढ़ रही है और लोगों का कहना है कि प्रशासन को केवल शराब की दुकानों की जांच तक सीमित न रहकर अवैध पैकारी के पूरे नेटवर्क की जांच करनी चाहिए। स्थानीय नागरिकों ने आबकारी विभाग एवं पुलिस प्रशासन से मांग की है कि कोतमा नगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष जांच अभियान चलाया जाए। संदिग्ध दुकानों और शराब की अवैध आपूर्ति के रास्तों की जांच कर, यदि नियमों का उल्लंघन पाया जाए तो संबंधित लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि शिकायतों के बावजूद यदि प्रभावी कार्रवाई नहीं होती है तो प्रशासन की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठाना स्वाभाविक है। अब देखा होगा कि प्रशासन इन शिकायतों को कितनी गंभीरता से लेता है और क्या कोतमा क्षेत्र में अवैध शराब की कथित पैकारी की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाई जाती है या नहीं !



कोतमा। कोतमा क्षेत्र में गुरुवार दोपहर से शुरू हुआ मूसलाधार बारिश का दौर शनिवार को भी थमा नहीं है। लगातार हो रही इस बारिश के कारण क्षेत्र का जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। सड़कों पर जलभराव के कारण लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है, वहीं लगातार नमी और धूप न निकलने से स्थानीय किसानों की चिंताएं बेहद बढ़ गई हैं। किसानों को अब फसलों में कीड़े इल्ली और अन्य कीट लगने का बड़ा डर सता रहा है। गुरुवार दोपहर से शुरू हुई

रिमझिम और तेज बारिश के कारण नगर के निचले इलाकों की बस्तियों में पानी भर गया है। मुख्य मार्गों और ग्रामीण सड़कों पर जलभराव होने से आवागमन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। दैनिक मजदूरी करने वाले और छोटे व्यापारियों का कारोबार पूरी तरह ठप पड़ गया है। लगातार हो रही बारिश ने क्षेत्र के अन्नदाताओं की रातों की नींद उड़ा दी है। किसानों का कहना है कि खेतों में जरूरत से ज्यादा पानी जमा होने और आसमान में लगातार बादल छाए रहने धूप न निकलने के कारण फसलों में उमस

बढ़ रही है। बारिश होने के कारण धान और अन्य फसलों में कीट एवं इल्ली लगने का खतरा बहुत ज्यादा बढ़ गया है। अगर जल्द ही मौसम साफ नहीं हुआ, तो फसलें सड़ने लगेंगी और कीटों के प्रकोप से पूरी मेहनत बर्बाद हो जाएगी। स्थानीय किसानों ने प्रशासन और कृषि विभाग से मांग की है कि खेतों का निरीक्षण कर कीटों से बचाव के लिए जरूरी कीटनाशकों और उपायों के संबंध में जल्द मार्गदर्शन जारी किया जाए, ताकि भारी नुकसान से बचा जा सके।

से लोगों को गेट के बहुत करीब जाने से रोक रहे हैं। फिलहाल मौसम विभाग और स्थानीय प्रबंधन के अनुसार यदि बारिश का दौर ऐसे ही जारी रहता है, तो आने वाले घंटों में निकासी के लिए अतिरिक्त गेट खोलने या वर्तमान स्थिति को बनाए रखने पर निर्णय लिया जाएगा। प्रशासन की टीमें स्थिति पर पूरी तरह से पकड़ बनाए हुए हैं।

लबालब हुए नदी-नाले

लगातार तीन दिनों की झमाझम बारिश ने पूरे उमरिया जिले की तस्वीर बदल कर रख दी है। भीषण गर्मी और जल संकट की आशंका से जुझ रहे जलाशयों, पोखरों और खेतों में अब पानी लबालब भर गया है। नदी-नाले उफान पर हैं और ग्रामीण इलाकों के जलस्रोतों का भू-जल स्तर तेजी से सुधरा है। इस बारिश ने जहां किसानों के चेहरों पर खुशी ला दी है, वहीं जिले के तापमान में भी भारी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे मौसम खुशनुमा हो गया है।

मेरे सपनों का भारत कार्यक्रम में बच्चों ने चित्रों के माध्यम से व्यक्त की अपनी कल्पनाएं

उमरिया। सेवा संकल्प अभियान के तहत मेरे सपनों का भारत कार्यक्रम का आयोजन रानी दुर्गावती भवन में किया गया। श्री आसुतोष अग्रवाल ने कहा कि स्वच्छता अभियान के माध्यम से लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया जा रहा है। विद्यार्थियों को जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर उसके अनुरूप मेहनत और तैयारी करने की प्रेरणा दी गई। उन्होंने कहा कि 'मेरे सपनों का भारत' कार्यक्रम में बच्चों ने चित्रों के माध्यम से अपने विचारों और कल्पनाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए धनुषधारी सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। सरकार शिक्षा के साथ-साथ बच्चों के अंदर छिपी प्रतिभाओं को निखारने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर रही है। उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करते हुए अपने माता-पिता का नाम रोशन करने का आह्वान किया। सुमित गौतम ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। चित्रकला प्रतियोगिताएं जिले के सभी विद्यालयों में आयोजित की गईं। उन्होंने विद्यार्थियों के उत्कृष्ट भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में शासकीय विद्यालय कीडिया के विद्यार्थियों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों एवं चित्रकला को उपस्थित अतिथियों ने सराहा। कार्यक्रम में चित्रकला प्रतियोगिता में स्थान रखने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सहित अन्य अतिथियों द्वारा बच्चो व्द्वारा बनाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किय गया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी, डीपीसी, डॉ. पूजा द्विवेदी, राधे लाल सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।



खबर संक्षेप

महिला के साथ 8 लाख रुपये की हुई धोखाधड़ी कटनी। कोतवाली थाना क्षेत्र में 8 लाख की बड़ी धोखाधड़ी और बहोरीबंद थाना क्षेत्र में UPI के जरिए ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने दोनों मामलों में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सिविल लाइन निवासी रमाकांत प्रसाद बरनवाल 57 वर्ष के साथ अज्ञात जालसाज ने सुनियोजित तरीके से 8 लाख की धोखाधड़ी की वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने धारा 318(4) BNS के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस साइबर सेल की मदद से सैंसों के ट्रॉसफर ट्रेल और संदेही के बैंक खातों/मोबाइल नंबरों को ट्रैक करने में जुटी है। ऑनलाइन ठगी का दूसरा मामला बहोरीबंद थाना क्षेत्र के ग्राम कुआ से सामने आया है। पीड़ित अहिल्या बाई 50 वर्ष की अज्ञात आरोपी ने UPI के माध्यम से झ्रॉसे में लेकर ऑनलाइन चूना लगा दिया। पीड़िता की रिपोर्ट पर बहोरीबंद पुलिस ने धारा मामला पंजीबद्ध किया है।

दो युवकों से हुई मारपीट

कटनी। एनकेजे थाना क्षेत्र के प्रेमनगर पानी टंकी के पास रहने वाले 25 वर्षीय उमाकांत निषाद के साथ क्षेत्र के ही दो युवकों ने जमकर मारपीट की। जानकारी के अनुसार पीड़ित उमाकांत जब अपने घर के पास मौजूद था तभी क्षेत्र के ही रहने वाले शुभम निषाद और सुनील निषाद ने एक राय होकर उसे घेर लिया। आरोपियों ने पुरानी रंजिश को लेकर प्रार्थी को गालियां देना शुरू कर दिया। जब पीड़ित ने इसका विरोध किया तो दोनों आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की और देवारा दिखने पर जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। इसी तरह रीठी थाना क्षेत्र के ग्राम देवगाँव में सुबह के समय रंजिश को लेकर मारपीट की गंभीर घटना हुई। ग्राम देवगाँव निवासी 35 वर्षीय सोनू उर्फ आरसिन जब अपने घर के सामने खड़ा था, तभी गांव के ही कन्हैया रैदास और अजय उर्फ अम्मू रैदास ने उसे घेर लिया। आरोपियों ने सोनू को देखते ही जातिसूचक व गंदी गालियां देनी शुरू कर दीं। जब सोनू ने गाली देने से मना किया तो दोनों आरोपियों ने एक राय होकर उसके साथ लाठी-डंडों से मारपीट कर दी, जिससे सोनू के शरीर में गंभीर चोटें आईं और वह घायल हो गया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी पीड़िता को जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले।

सेवा संकल्प अभियान के तहत सगरा मंदिर में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम संपन्न



हितग्राहियों ने अपने - अपने अनुभव किए साझा

उमरिया। सेवा संकल्प अभियान के तहत सगरा मंदिर में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का शुभारंभ सगरा मंदिर स्थित सामुदायिक भवन से किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आसुतोष अग्रवाल ने कहा कि बच्चे की प्रथम गुरु उसकी मां होती है। इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा प्रदान करने के साथ उनके स्वास्थ्य एवं पोषण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को कुपोषण से बचाने, नियमित टीकाकरण कराने तथा पीथिक आहार उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों और माताओं को आंगनबाड़ी केंद्रों से जोड़ना तथा समुदाय की सहभागिता को बढ़ावा देना है। जनसूच्योग के माध्यम से बच्चों एवं माताओं को पोषण सामग्री, पठन-पाठन सामग्री एवं अन्य उपयोगी सामग्री उपलब्ध



कराकर आंगनबाड़ी केंद्रों को और अधिक प्रभावी बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लाइली लक्ष्मी योजना से बेटियों का भविष्य सुरक्षित करने में मदद मिली है। अब बेटियों के जन्म पर परिवारों में उत्सव मनाने की सकारात्मक सोच विकसित हो रही है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के माध्यम से महिलाएं विभिन्न प्रकार के उत्पाद तैयार कर उनका विक्रय कर रही हैं तथा आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। कार्यक्रम को नम्रता यादव सहित अन्य जनों ने संबोधित करते हुए आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम

पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस अवसर पर बच्चों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई, जिसे उपस्थित लोगों ने सराहा। इस अवसर पर नीतू सिंह, सोनम सोनी, कपूरिया बाई विश्वकर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग रुचि बागरी, राधे लाल सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान हितग्राहियों ने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलने पर धन्यवाद ज्ञापित किया।



में कार्यक्रम आयोजित किया गया, वहीं विशिष्ट अतिथि डॉ. तीर्थ प्रसाद द्विवेदी, संगीत विशारद श्रीमती मंदाकिनी गौतम, व्यवस्थापक रविकुमार रजक कोषाध्यक्ष प्रतीत गुप्ता, प्रधानाचार्य श्रीकांत चतुर्वेदी की उपस्थिति रही। राष्ट्रीगत के सामूहिक गायन के उपरांत नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती

शालिनी सरावगी एवं डॉ. तीर्थ प्रसाद द्विवेदी ने वंदे मातरम् की उपादेयता एवं ऐतिहासिक महत्व पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने युवा वर्ग एवं नई पीढ़ी में राष्ट्रभावना और चेतना जागृत करने में राष्ट्रीगत की भूमिका को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों को प्रेरित किया।



बुढ़ार विद्यालय के प्राचार्य रामसजीवन पटेल तथा केशवपुरम विद्यालय के प्राचार्य गौरव कुमार शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपने विचार व्यक्त किए। वरिष्ठ व्याख्याता अमित नारायण द्विवेदी ने अतिथियों का परिचय कराया। कार्यक्रम के संयोजक शिवनारायण त्रिपाठी एवं

सह-संयोजक धर्मेन्द्र कुमार मिश्रा ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम को भव्यता दिलाने सरस्वती शिक्षा समिति अध्यक्ष छोटेलाल सरावगी, का सराहनीय योगदान रहा और उनके दिशानिर्देश पर राष्ट्रभावना और देशभक्ति के वातावरण में कार्यक्रम भव्यता पूर्वक संपन्न हुआ।

बुढ़ार न्यायालय से डॉ. विवेक शुक्ला को बड़ी राहत, IPC की धारा 409, 420, 467 सहित सभी आरोपों से हुए डिस्चार्ज

बुढ़ार। जिला एवं सत्र न्यायालय बुढ़ार में विचाराधीन एक आपराधिक प्रकरण में भोपाल निवासी डॉ.विवेक शुक्ला को अदालत से बड़ी राहत मिली है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री सुशील कुमार अग्रवाल ने मामले में उपलब्ध दस्तावेजों, विशेषज्ञ रिपोर्ट और बचाव पक्ष के तर्कों पर सूक्ष्म विचार-विमर्श करने के उपरांत डॉ. विवेक शुक्ला को भारतीय दंड संहिता (IPC) की धारा 409, 420, 467, 468, 471 एवं 34 के तहत दर्ज सभी आरोपों से उन्मोचित (डिस्चार्ज) करने का आदेश जारी किया है।

विशेषज्ञ रिपोर्ट और हस्ताक्षरों की तुलना बनी मुख्य आधार

मामले की सुनवाई के दौरान डॉ. विवेक शुक्ला की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता मयूर दीप मिश्रा ने न्यायालय के समक्ष विशेषज्ञ रिपोर्ट को अपना प्रमुख आधार बनाया। बचाव पक्ष ने

तर्क दिया कि प्रश्नगत हस्ताक्षर (Q-3) की तुलना जब आरोपी के नमूना हस्ताक्षरों (S-23 से S-27) से की गई, तो 23 अप्रैल 2026 की विशेषज्ञ रिपोर्ट में उपलब्ध सामग्री के आधार पर Q-3 को नमूना हस्ताक्षरों से जोड़ पाना संभव नहीं पाया गया।

बचाव पक्ष ने हर धारा पर रखीं ठोस दलीलें

सुनवाई के दौरान अधिवक्ता मयूर दीप मिश्रा ने IPC की धारा 409, 420, 467, 468, 471 एवं 34 के तहत लगाए गए प्रत्येक आरोप पर अलग-अलग और बिंदुवार तर्क प्रस्तुत किए:कूट रचना (धारा 467 व 468): कथित फर्जी दस्तावेजों और विवादित हस्ताक्षरों को अभियुक्त से जोड़ने के लिए प्रथमदृष्टया कोई ठोस आधार मौजूद नहीं है।हममान आशय (धारा 34): साक्षा आपराधिक आशय सिद्ध करने के लिए स्वतंत्र

और मजबूत साक्ष्यों की आवश्यकता होती है, जो इस मामले में अनुपस्थित थे।

सर्वोच्च न्यायालय के नज़ीरों का दिया हवाला

बहस के दौरान बचाव पक्ष के वकील ने आरोप निर्धारण (Charge Framing) तथा उन्मोचन (Discharge) से संबंधित माननीय सर्वोच्च न्यायालय के विभिन्न ऐतिहासिक फैसलों और नज़ीरों का संदर्भ भी प्रस्तुत किया।अदालत ने पत्रावली पर उपलब्ध सभी सामग्रियों, हस्तलेख विशेषज्ञ की रिपोर्ट और दोनों पक्षों की विस्तृत दलीलों का अनुशीलन करने के बाद यह पाया कि डॉ.शुक्ला के खिलाफ मामला चलाने के लिए पर्याप्त आधार नहीं हैं, जिसके पश्चात न्यायालय ने उन्हें सभी छह धाराओं के आरोपों से पूरी तरह डिस्चार्ज कर दिया।

गणपति बप्पा की भव्य विदाई, जयकारों से गुंजा धनपुरी



नरगडा मोहल्ला नवयुवक मंडल समिति ने निकाली भव्य विसर्जन यात्रा, गाजे-बाजे के साथ मां ज्वालामुखी कुंड पहुंचा काफिला

धनपुरी। नरगडा मोहल्ला नवयुवक मंडल समिति के तत्वावधान में आयोजित दस दिवसीय गणेशोत्सव का शनिवार को भक्तिमय माहौल के बीच समापन हुआ। विशाल गणेश प्रतिमा की भव्य विसर्जन यात्रा गाजे-बाजे और गणपति बप्पा के जयकारों के बीच निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे रास्ते “गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ” के जयघोष से धनपुरी गुंजता रहा। गणेशोत्सव के दौरान नरगडा मोहल्ले में स्थापित विशाल एवं आकर्षक गणेश प्रतिमा श्रद्धालुओं के आकर्षण

का केंद्र बनी रही। दस दिनों तक प्रतिदिन सुबह-शाम विधि-विधान से पूजा-अर्चना और आरती की गई। शनिवार को पूजा-अर्चना के बाद शाम करीब 5 बजे बप्पा की विदाई यात्रा शुरू हुई।

ढोल-नगाड़ों की थाप पर थिरके श्रद्धालु

नरगडा मोहल्ले से निकली विसर्जन यात्रा में युवा और श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचते-गाते हुए आगे बढ़े। यात्रा धनपुरी आजाद चौक पहुंची, जहां से राजीव मार्केट होते हुए मां ज्वालामुखी मंदिर स्थित कुंड की ओर रवाना हुई। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश के दर्शन किए और सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। मां ज्वालामुखी मंदिर स्थित कुंड पहुंचने के बाद श्रद्धा और विधि-विधान के साथ भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। बप्पा की



विदाई के समय श्रद्धालुओं में भक्ति के साथ भावुकता भी नजर आई। हर ओर एक ही स्वर सुनाई दिया— “गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ।”

भंडारे में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

गणेशोत्सव के अवसर पर समिति की ओर से विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया। नरगडा मोहल्ला सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन को सफल बनाने में समिति के सदस्यों और युवाओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। दस दिवसीय गणेशोत्सव के समापन पर नरगडा मोहल्ले में भक्ति और उल्लास का माहौल रहा। श्रद्धालुओं ने बप्पा को भावुक मन से विदाई देते हुए अगले वर्ष फिर से उनकी मंगलकामना की।

‘मेरे सपनों का भारत’ प्रतियोगिता में आरना नामदेव ने हासिल किया तीसरा स्थान

जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर बुढ़ार ब्लॉक और डीवीएम पब्लिक स्कूल अमलाई का बढ़ाया गौरव

अमलाई। मध्य प्रदेश सरकार के सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित ‘मेरे सपनों का भारत’ जिला स्तरीय निबंध, भाषण एवं पेंटिंग प्रतियोगिता में डीवीएम पब्लिक स्कूल, अमलाई की कक्षा 10वीं की छात्रा आरना नामदेव ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले में तृतीय स्थान प्राप्त किया। उनकी इस उपलब्धि से बुढ़ार ब्लॉक सहित विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है।आरना नामदेव को उनकी उल्लेखनीय सफलता के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह द्वारा प्रमाण-पत्र, टैलेट अवॉर्ड ट्रॉफी एवं ब्रॉन्ज मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। जिला स्तर की कठिन प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त कर आरना ने अपने विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है।इस अवसर पर विद्यालय के डिपार्टमेंटल डायरेक्टर वाचस्पति कुलवंत, रीजनल डायरेक्टर सुशीला कुलवंत एवं वर्कशॉप डायरेक्टर विद्या बंजारे ने छात्रा को बधाई देते हुए कहा कि जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभागियों



के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी। ऐसे चुनौतीपूर्ण आयोजन में आरना द्वारा तीसरा स्थान प्राप्त करना विद्यालय के लिए गौरव की बात है। उन्होंने छात्रा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।आरना की इस उपलब्धि पर जिला अध्यक्ष भाजपा शहडोल अमिता चपरा, प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा एवं विधायक जयसिंहनगर मनीषा सिंह, एसडीएम सोहानपुर अमृता गर्ग, डीआईओ शहडोल अतुल कुमार चौधरी, जिला सचिवालय के पुष्पेंद्र पटेल सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने छात्रा एवं विद्यालय परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

24 घंटे में 67.4 मिमी बारिश से उफनने लगा चचाई बांध अमरकंटक में 148 मिमी यानी करीब 6 इंच बरसा पानी

बांध के गेट खोलकर सोन नदी में छोड़ा जा रहा 50 क्यूमेक पानी, रविवार को भी बारिश के आसार

अनूपपुर। जिले में चार दिनों से जारी बारिश ने शनिवार को जोर पकड़ लिया। बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 67.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि अमरकंटक में 148 मिलीमीटर यानी करीब 6 इंच पानी बरसा। लगातार बारिश से चचाई बांध में पानी भराव क्षमता से ऊपर पहुंचने के बाद गेट खोलने पड़े। बांध से करीब 50 क्यूमेक पानी सोन नदी में छोड़ा जा रहा है। बारिश और पानी की लगातार बढ़ती आवक को देखते हुए नदी किनारे के क्षेत्रों में भी निगरानी बढ़ाने की जरूरत बनी हुई है। शुक्रवार रात से शनिवार दोपहर तक लगातार बारिश होती रही। घने बादलों के कारण दिनभर धूप नहीं निकली और मौसम में ठंडक बढ़ गई। जिले के कई हिस्सों में रुक-रुककर बारिश जारी रही। मौसम विभाग ने रविवार को भी बारिश के आसार जताए हैं।



बढ़ते पानी ने खुलवाए बांध के गेट

अमरकंटक ताप विद्युत गृह सिंचाई सिविल विभाग के कार्यपालन यंत्री अशोक गुप्ता के अनुसार बांध में भराव क्षमता से अधिक पानी होने के कारण शनिवार सुबह से दोपहर तक तीन गेट खोले गए थे। बाद में दो गेट बंद किए गए, लेकिन पानी की आवक लगातार बढ़ने के कारण शाम को फिर दो गेट खोले गए। इन गेटों से करीब 50 क्यूमेक पानी सोन नदी में

छोड़ा जा रहा है।

अमरकंटक में छह इंच बारिश

बारिश का सबसे ज्यादा असर अमरकंटक में देखने को मिला। यहां 24 घंटे में 148 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। पुष्पराजगढ़ में 94.6 और बेनीबारी में 89.8 मिलीमीटर बारिश हुई। इसके अलावा वेंकटनगर में 54.7, बिजुरी में 52.4, जैतहरी में 45.2, अनूपपुर में



30.4 और कोतमा में 24 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई।

रविवार को भी बारिश की संभावना

लगातार बादल छाए रहने और नमी की स्थिति के बीच जिले में बारिश का दौर आगे भी जारी रहने की संभावना है। दक्षिण छत्तीसगढ़ के ऊपर सक्रिय गहरे दबाव वाले मौसम तंत्र का प्रभाव पूर्वी मध्य प्रदेश में बना हुआ है। ऐसे में अनूपपुर, शहडोल और डिंडोरी क्षेत्र

में बादल और बारिश की स्थिति बनी रहने के आसार हैं।

फसलों पर अभी बड़ा असर नहीं

तेज बारिश के बावजूद कृषि विभाग के अनुसार फिलहाल धान और मक्का की फसलों में नुकसान की स्थिति सामने नहीं आई है। हालांकि बारिश जारी रहने पर खेतों में जलभराव और फसलों पर असर की आशंका को देखते हुए निगरानी जरूरी है।

आस्था के साथ फिर हुआ खिलवाड़, नगर पालिका अनूपपुर बनी बेपरवाह

विसर्जन कुंड में फ्रेन तक नहीं जुटा पाया प्रशासन



अनंत चतुर्दशी पर नगर पालिका की तैयारी की खुली पोल?

रात 12 बजे तक हाइड्रा का इंतजार, कीचड़-फिसलन के बीच श्रद्धालु जिम्मेदारों की तैयारी पर गंभीर सवाल

अनूपपुर। भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं के विसर्जन की तारीख प्रशासन को पहले से मालूम थी, श्रद्धालुओं की भीड़ का अनुमान था और भारी प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए मशीनरी की जरूरत भी तय थी। इसके बावजूद नगर पालिका क्षेत्र के विसर्जन कुंड में रात करीब 12 बजे तक क्रेन उपलब्ध नहीं हो सकी। हाइड्रा की व्यवस्था किए जाने की बात कही जाती रही, लेकिन शिकायतकर्ता के अनुसार मशीन समय पर मौके पर नहीं पहुंची। ऊपर से विसर्जन स्थल पर कीचड़ और फिसलन की स्थिति बनी रही। ऐसे में सवाल सिर्फ अव्यवस्था का नहीं, बल्कि पूर्व तैयारी और जिम्मेदारी तय करने की प्रशासनिक कार्यप्रणाली का है।

नौ दिन के आयोजन के बाद अंतिम दिन भी तैयारी अधूरी

अनंत चतुर्दशी कोई अचानक आने वाला आयोजन नहीं था। नौ दिनों से गणेशोत्सव चल रहा था और विसर्जन की तारीख पहले से निर्धारित थी। इसके बावजूद अंतिम दिन विसर्जन स्थल पर भारी प्रतिमाओं को कुंड में उतारने के लिए आवश्यक मशीनरी उपलब्ध नहीं होना नगर पालिका की तैयारियों पर सवाल खड़ा करता है। एडवोकेट एवं समाजसेवक जयंत राव ने आरोप लगाया कि विसर्जन स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते नहीं की गईं। रात करीब 12 बजे तक क्रेन नहीं होने पर जब तहसीलदार से व्यवस्था की जानकारी ली गई तो हाइड्रा की व्यवस्था किए जाने की बात कही गई। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इसके बाद भी काफी समय तक हाइड्रा मौके पर उपलब्ध नहीं हुआ।

जिम्मेदारों ने आयोजन से पहले क्या देखा?

सबसे बड़ा सवाल विसर्जन स्थल के पूर्व निरीक्षण को लेकर है। यदि प्रशासनिक अधिकारियों और नगर पालिका के जिम्मेदार अमले ने आयोजन से पहले स्थल का



निरीक्षण किया था, तो कीचड़ और फिसलन जैसी स्थिति क्यों बनी रही? भारी प्रतिमाओं के लिए क्रेन या हाइड्रा की जरूरत पहले से स्पष्ट थी, फिर मशीनरी की व्यवस्था अंतिम समय तक क्यों अटक रही? क्या जिम्मेदार अधिकारियों ने मौके पर जाकर व्यवस्थाओं का भौतिक सत्यापन किया था या कागजों में ही तैयारी पूरी मान ली गई? यह सवाल अब व्यवस्था को लेकर उठाया जा रहा है।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा से जुड़ा मामला

विसर्जन स्थल पर कीचड़ और फिसलन केवल असुविधा का विषय नहीं है। प्रतिमा लेकर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं में महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे भी शामिल होते हैं। ऐसे में सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि स्थल पर फिसलन रोकने और श्रद्धालुओं के सुरक्षित आवागमन के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए। भारी प्रतिमाओं को बिना पर्याप्त तकनीकी सहायता के कुंड में उतारना भी जोखिमपूर्ण हो सकता है।

अब सवाल मशीन आई या नहीं, उससे बड़ा है देरी क्यों हुई?

पूरे मामले में सबसे अहम सवाल यह नहीं

है कि बाद में हाइड्रा की व्यवस्था हुई या नहीं। सवाल यह है कि जब इसकी जरूरत पहले से मालूम थी तो इसे विसर्जन शुरू होने से पहले मौके पर क्यों नहीं रखा गया? किस अधिकारी को मशीनरी की व्यवस्था की जिम्मेदारी दी गई थी? उसकी निगरानी किसने की? स्थल का निरीक्षण कब हुआ? कीचड़ और फिसलन हटाने की जिम्मेदारी किसकी थी? और रात 12 बजे तक व्यवस्था अधूरी रहने पर जवाबदेही किसकी तय होगी? इन सवालों के जवाब नगर पालिका और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से अपेक्षित हैं।

व्यवस्था की समीक्षा नहीं, जवाबदेही तय करने की मांग

जयंत राव ने पूरे मामले की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका स्पष्ट करने की मांग की है। उनका कहना है कि धार्मिक आयोजनों में हजारों श्रद्धालुओं की सुरक्षा से जुड़े इंतजामों को अंतिम समय के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। अनंत चतुर्दशी की तारीख पहले से तय थी, विसर्जन स्थल पहले से तय था और मशीनरी की जरूरत भी पहले से स्पष्ट थी। फिर भी रात 12 बजे तक क्रेन का इंतजार क्यों करना पड़ा?क्यूही सवाल इस पूरी व्यवस्था की सबसे बड़ी परीक्षा बन गया है।



तीन दिन तक पहचान का इंतजार, फिर अज्ञात वृद्ध को मिला अंतिम संस्कार

अनूपपुर। नगर के बस स्टैंड स्थित यात्री प्रतीक्षालय में 24 सितंबर की दोपहर मिले करीब 60 से 62 वर्षीय अज्ञात वृद्ध के शव की तीन दिन तक पहचान नहीं हो सकी। बीमारी के कारण वृद्ध की मृत्यु होने की सूचना पर कोतवाली पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर जिला चिकित्सालय के शव परीक्षण कक्ष स्थित शव फ्रीजर में सुरक्षित रखवाया था। इसके बाद पुलिस के साथ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने विभिन्न माध्यमों से मृतक की पहचान कराने के प्रयास किए, लेकिन शनिवार तक कोई परिजन सामने नहीं आया। शनिवार दोपहर कोतवाली थाने के सहायक उप निरीक्षक संतोष कुमार वर्मा ने मृतक का पोस्टमार्टम कराया। पहचान नहीं होने के बाद पुलिस और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मानवीय पहल करते हुए मृतक के अंतिम संस्कार की व्यवस्था की। सोन नदी किनारे स्थित मुक्तिधाम में नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती अंजुलिका एवं शैलेंद्र सिंह से आग्रह किए जाने पर श्री सिंह ने अपनी व्यक्तिगत जेसीबी मशीन से दफन के लिए गड्ढा खुदवाया। इसके बाद सउनि संतोष कुमार वर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता शशिधर अग्रवाल, मनोज, अजय, शिवा, शव वाहन चालक मूलचंद सिंह माकों तथा जेसीबी चालक हरी श्रीवास्तव की मौजूदगी में अज्ञात वृद्ध के शव को कफन, फूल और अगरबत्ती के साथ पारंपरिक रीति-रिवाज से दफनाया गया। शव के नीचे और ऊपर नमक भी बिछाया गया। अंतिम संस्कार के बाद सभी ने मृत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। तीन दिन तक पहचान के प्रयास के बाद भी जब कोई अपना सामने नहीं आया, तो पुलिस और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मृतक को सम्मानजनक अंतिम विदाई देकर संवेदना की मिसाल पेश की।

अपने ही गड्ढे में फंसी नगर पंचायत की कचरा गाड़ी, सोनमुड़ा तिराहे पर व्यवस्था पर उठे सवाल

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में सड़क किनारे बने गड्ढे अब केवल राहगीरों और वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण नहीं रह गए हैं, बल्कि नगर की सफाई व्यवस्था में लगे वाहनों के लिए भी मुसीबत बनते दिखाई दे रहे हैं। शनिवार सुबह नर्मदा मंदिर के पीछे सोनमुड़ा तिराहे के समीप नगर पंचायत अमरकंटक का कचरा वाहन सड़क किनारे बने गड्ढे में फंस गया। सुबह के समय जब नगर पंचायत का कचरा वाहन अपने नियमित कार्य के लिए निकला था, तभी सोनमुड़ा तिराहे के पास सड़क किनारे वाहन का पहिया गड्ढे में जा धंसा। देखते ही देखते वाहन वहीं फंस गया और उसे निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। घटना की तस्वीर सामने आने के बाद स्थानीय लोगों के बीच सड़क की स्थिति और नगर की व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा शुरू हो गई। इस दृश्य ने लोगों को एक पुरानी कहावत सहज ही याद दिला दी “दूसरों के लिए गड्ढा खोदेंगे तो खुद ही उसी में गिर जाएंगे।” हालांकि यह कहावत यहां प्रतीकात्मक रूप से व्यवस्था की विडंबना को सामने लाती है, लेकिन घटना ने सड़क किनारे बने गड्ढों की वास्तविक स्थिति को जरूर उजागर कर दिया है।

सड़क किनारे गड्ढे बन रहे परेशानी का कारण

अमरकंटक धार्मिक और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण नगरी है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक यहां पहुंचते हैं। ऐसे में प्रमुख मार्गों और तिराहों के आसपास सड़क की स्थिति सुरक्षित और व्यवस्थित रहना आवश्यक है। सोनमुड़ा तिराहे जैसे आवागमन वाले स्थान पर सड़क किनारे गड्ढे बने रहने से वाहन चालकों को दुर्घटना का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि छोटे दिखाई देने वाले गड्ढे बारिश के मौसम में और अधिक खरनाक हो जाते हैं। पानी भरने के कारण उनकी गहराई का



अनुमान लगाना मुश्किल हो जाता है और दोपहिया वाहनों के साथ-साथ बड़े वाहनों के भी अर्संतुलित होने की आशंका बनी रहती है।

कचरा वाहन का फंसना बना व्यवस्था का आईना

नगर की स्वच्छता व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला कचरा वाहन स्वयं सड़क किनारे गड्ढे में फंस जाए, तो यह दृश्य कहीं न कहीं नगर की मूलभूत व्यवस्थाओं की ओर ध्यान आकर्षित करता है। जिस वाहन को शहर की सफाई के लिए गलियों और सड़कों पर निरंतर दौड़ना है, वही यदि खराब सड़क और गड्ढों के कारण रुक जाए तो इसका सीधा असर सफाई व्यवस्था पर भी पड़ सकता है। घटना के बाद स्थानीय नागरिकों ने अपेक्षा जताई है कि नगर पंचायत द्वारा ऐसे गड्ढों को चिन्हित कर शीघ्र भरवाया जाए तथा सड़क किनारे क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत कराई जाए, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे की स्थिति निर्मित न हो। अमरकंटक जैसे धार्मिक एवं पर्यटन नगरी में सड़क, स्वच्छता और यातायात व्यवस्था केवल सुविधा का विषय नहीं, बल्कि साथ ही निजी एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से निकलने वाले कचरे के निपटारे के लिए नवीन डंपिंग साइट चिन्हित करने और आवश्यक

अमरकंटक के प्राकृतिक स्वरूप से समझौता नहीं, 300 मीटर दायरे में निर्माण पर रोक नर्मदा समग्र मिशन की बैठक में कलेक्टर ने दिए अधिकारियों को सख्त निर्देश

अनूपपुर। धार्मिक एवं पर्यटन नगरी अमरकंटक के प्राकृतिक, धार्मिक और पर्यावरणीय स्वरूप को संरक्षित रखते हुए विकास कार्यों को सुनियोजित तरीके से करने के निर्देश कलेक्टर रत्नाकर झा ने अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि अमरकंटक के वास्तविक स्वरूप को बनाए रखना सभी अधिकारियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। नर्मदा उद्गम क्षेत्र से निकलने वाली नदियों के संरक्षण और संवर्धन को प्राथमिकता देते हुए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। नगर पालिका अमरकंटक के सभागार में आयोजित नर्मदा समग्र मिशन की बैठक में कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि नर्मदा नदी तट के 300 मीटर के दायरे में किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य नहीं होना चाहिए। नदी के आसपास किए गए अतिक्रमण को प्राथमिकता से हटाने तथा निर्धारित स्थानों पर फलदार एवं चिन्हित प्रजातियों के पौधों का रोपण कराने के निर्देश दिए गए।

नदी में न पहुंचे सीवरेज का गंदा पानी

कलेक्टर ने होटल, धर्मशाला एवं अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से निकलने वाले सीवरेज के गंदे पानी के समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने वाटर बॉडी का नियमित निरीक्षण करने तथा किसी भी स्थिति में दूषित पानी को नदियों में प्रवाहित नहीं होने देने के निर्देश दिए। इसके साथ ही निजी एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से निकलने वाले कचरे के निपटारे के लिए नवीन डंपिंग साइट चिन्हित करने और आवश्यक



प्रक्रिया पूरी करने को कहा। कचरे से कंपोस्ट खाद तैयार कर उसका उपयोग बगीचों एवं हरित क्षेत्रों में करने पर भी जोर दिया गया।

महीने में दो बार होगी नर्मदा जल की जांच

नर्मदा नदी के जल की गुणवत्ता की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने माह में दो बार जल का परीक्षण कराने के निर्देश दिए। परीक्षण से संबंधित जानकारी का विधिवत पंजी संधारित करने को भी कहा गया। उन्होंने अमरकंटक क्षेत्र के तालाबों की साफ-सफाई और स्वच्छता व्यवस्था बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

मंदिर में पारंपरिक पत्थरों की होगी पुनर्स्थापना

कलेक्टर ने अमरकंटक मंदिर में लगी

टाइल्स एवं कंक्रीट को हटाकर पारंपरिक पत्थरों की पुनर्स्थापना कराने के निर्देश दिए। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को देखते हुए मंदिर परिसर में मुख्य प्रवेश द्वार के अतिरिक्त निकासी द्वार बनाने को भी कहा। उन्होंने कहा कि आपात स्थिति में श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं समय पर बाहर निकालने के लिए निकासी की समुचित व्यवस्था जरूरी है।

अतिक्रमण हटाने, हॉकर जोन विकसित करने के निर्देश

कपिलधारा, सोनमुड़ा, नर्मदा मंदिर सहित अन्य प्रमुख स्थलों पर दुकानदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण के संबंध में भी कलेक्टर ने आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। दुकानदारों को व्यवस्थित रूप से दुकान संचालन की सुविधा देने के लिए हॉकर जोन विकसित करने तथा पात्र हितग्राहियों को पीएम स्वनिधि

योजना का लाभ दिलाने को कहा गया।

यातायात व्यवस्था पर भी जोर

कलेक्टर ने अमरकंटक में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। नर्मदा मंदिर के आसपास किसी भी प्रकार का पार्किंग एरिया विकसित नहीं करने को कहा। श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की सुविधा के लिए बेहतर प्रकाश व्यवस्था, आवश्यक स्थानों पर बैठने के लिए बेंच तथा स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्चना कुमारी, वन मंडलाधिकारी डेविड व्यंकटराव चनाप, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व वक्सीम अहमद भट, नगर पालिका अधिकारी अमरकंटक चैन सिंह परस्ते सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

